http://www.sgbauonline.com/

Bachelor of Performing Arts (BPA-I) Semester—III Examination

DANCE—IV (Kathak, Bharat-Natyam, Odissi)

Paper—I

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 50

1. Explain 'Natyamandap' according to Natyashastra. 10

OR

Write a short note on 'Abhinayadarpan'. 10

2. Explain story of 'Usha-Aniruddha'. 10

OR

Explain story of 'Satyavan-Savitri'. 10

3. Explain 'Nayika' according to nature. 10

OR

Explain 'Abhisarika-Nayika' according to Natyashastra. 10

4. What is meant by 'Laya' and its kind ? 10

OR

Write a notation of Jhaptal in Dugun Layakari. 10

5. (A) Fill in the blanks with the appropriate words from given alternatives :

(1) ..... and ..... is a very important factors in Classical Dance.

(a) Tala and Laya (b) Matra and Bola

(c) Music and Song (d) Hav and Bhav 1

(2) ..... is used for expressing some meaningful word in Classical Dance.

(a) Words (b) Tala

(c) Hast-Mudra (d) Raga 1

(3) ..... and ..... is a kinds of Hast-Mudra.

(a) Sanyukta and Asanyukta (b) Khali and Bhari

(c) Aakunchan and Prasarana (d) Dhuta and Vidhuta 1

(4) ..... means a standing position in Classical Dance.

(a) Sthanka (b) Manka

(c) Sthira (d) Dhira 1

(5) ..... is a writer of Natya-Shastra.

(a) Bhupesh (b) Mahesh

(c) Ramesh (d) Bhartmuni 1

(B) Match the pairs :

A	B
(1) Nandikeshwar	(a) Kathak
(2) Bhartmuni	(b) Kuchipudi
(3) Kankrele	(c) Mohini-Attam
(4) Sidheshwar	(d) Abhinay-Darpan
(5) Rajendra Gangani	(e) Natya-Shastra 5

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

Bachelor of Performing Arts (BPA-I) Semester—III Examination

DANCE—IV (Kathak, Bharat-Natyam, Odissi)

Paper—I

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 50

(मराठी माध्यम)

1. नाट्यशास्त्रानुसार नाट्यमंडपाचे वर्णन स्पष्ट करा. 10

किंवा

अभिनय दर्पण विषयी थोडक्यात माहीती द्या. 10

2. उषा-अनीरुद्ध या कथानकाचे वर्णन करा. 10

किंवा

सत्यवान सावीत्री या कथानकाचे वर्णन करा. 10

3. प्रकृतीनुसार नायीकाचे वर्णन स्पष्ट करा. 10

किंवा

नाट्यशास्त्रानुसार अभिसारीका नायीकाचे वर्णन स्पष्ट करा. 10

4. लय म्हणजे काय व त्याचे प्रकार स्पष्ट करा. 10

किंवा

झपताल लिहून त्याचे दुगुन लिपिबद्ध करा. 10

5. (अ) योग्य पर्याय निवडुन रिकाम्या जागा भरा :

(1) कथक नृत्यात .... व .... हे अत्यंत महत्वाचे घटक असतात.

(अ) ताल व लय (ब) मात्रा व बोल

(क) संगीत व गाणं (ड) हाव व भाव 1

(2) शास्त्रीय नृत्यात अर्थपुर्ण शब्दांचा अभिनय करण्याकरिता .... चा विनियोग केला जातो.

(अ) शब्द (ब) ताल

(क) हस्तामुद्रा (ड) राग 1

(3) .... व .... हे हस्तमुद्रेचे प्रकार आहे.

(अ) संयुक्त व असंयुक्त (ब) खाली व भरी

(क) आंकुचन व प्रसरण (ड) दुत व विदुत 1

(4) शास्त्रीय नृत्यात उभे राहण्याच्या क्रियेला .... म्हणतात.

(अ) स्थानक (ब) मनका

(क) स्थिर (ड) धीर 1

(5) .... हे नृत्य-शास्त्राचे लेखक आहेत.

(अ) भुपेश (ब) महेश

(क) रमेश (ड) भरतमुनी 1

(ब) योग्य जोड्या लावा :

अ	ब
(1) नंदिकेश्वर	(अ) कथक
(2) भरतमुनी	(ब) कुचीपुडी
(3) कनकरेले	(क) मोहिनी-अट्टम
(4) सिद्धेश्वर	(ड) अभिनय दर्पण
(5) राजेंद्र गंगाणी	(इ) नाट्यशास्त्र

5

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

Bachelor of Performing Arts (BPA-I) Semester—III Examination
DANCE—IV (Kathak, Bharat-Natyam, Odissi)
Paper—I

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 50

(हिन्दी माध्यम)

1. नाट्यशास्त्र के अनुसार नाट्यमंडप का वर्णन स्पष्ट कीजिये। 10

अथवा

अभिनय दर्पण के बारे में संक्षेप में जानकारी दीजिये। 10

2. उषा-अनिरुद्ध इस कथा का वर्णन कीजिये। 10

अथवा

सत्यवान सावित्री इस कथा का वर्णन कीजिये। 10

3. प्रकृति के आधार पर नायिका का वर्णन कीजिये। 10

अथवा

नाट्यशास्त्र के आधार पर अभिसारिका नायिका का वर्णन कीजिये। 10

4. लय का अर्थ बताकर उसके प्रकार स्पष्ट कीजिये। 10

अथवा

झपताल की जानकारी देकर दुगुन लिपिबद्ध कीजिये। 10

5. (अ) योग्य पर्याय चुनिये :

(1) कथक नृत्य में ..... एवं ..... ये अत्यंत महत्व के घटक हैं।
(अ) ताल एवं लय (ब) मात्रा एवं बोल
(क) संगीत एवं गान (ड) हाव एवं भाव 1

(2) शास्त्रीय नृत्य में शब्दों का अर्थ अभिनय करने के लिए ..... का प्रयोग होता है।
(अ) शब्द (ब) ताल
(क) हस्तमुद्रा (ड) राग 1

(3) ..... एवं ..... यह हस्तमुद्रा के प्रकार हैं।
(अ) संयुक्त एवं असंयुक्त (ब) खाली एवं भरी
(क) आंकुचन एवं प्रसरण (ड) धुत एवं विधुत 1

(4) शास्त्रीय नृत्य में सीधा खड़े होने को ..... कहते हैं।
(अ) स्थानक (ब) मानक
(क) स्थिर (ड) धीर 1

(5) .... यह नाट्यशास्त्र के रचयिता हैं।
(अ) भुपेश (ब) महेश
(क) रमेश (ड) भरतमुनि 1

(ब) जोड़ियाँ लगाइये :

अ	ब
(1) नंदिकेश्वर	(अ) कथक
(2) भरतमुनि	(ब) कुचीपुड़ी
(3) कनकरेले	(क) मोहिनी-अट्टम
(4) सिद्धेश्वर	(ड) अभिनय दर्पण
(5) राजेंद्र गंगाणी	(इ) नाट्यशास्त्र 5

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/

http://www.sgbauonline.com/